

**बहुमंजिला** वि. (तत्.) बहुत सी मंजिलों वाला अर्थात् जो भवन ऊँचाई के क्रम से दो से अधिक मंजिलों वाला बना हो।

**बहुमत** पुं. (तत्.) किसी विचार, व्यक्ति आदि के संबंध में किसी वर्ग या समूह के आधे से अधिक लोगों का मत 2. किसी समूह में जब अधिकतर लोग किसी विचारधारा या किसी व्यक्ति को प्रतिनिधि के रूप में चयनित करने के लिए सहमत हों 3. समान विचारधारा एवं स्थिति वाले आधे से अधिक लोगों का मत।

**बहुमान्य** वि. (तत्.) बहुत से लोगों द्वारा मान्य 1. जो किसी विशेष गुण या प्रतिभा के कारण बहुत सम्मानीय हो 2. अत्यंत आदरणीय।

**बहुमूत्र** पुं. (तत्.) 1. मूत्र से संबंधित वह रोग जिसमें बार-बार पेशाब आता हो 2. मधुमेह।

**बहुमूर्तिदर्शी** पुं. (तत्.) बच्चों के मनोरंजन का एक विशेष उपकरण जिससे देखने पर कोई चीज विविध रंगों में छह प्रकार की दिखाई देती है, ऐसा षट्कोणीय दर्पण जिससे देखने के कारण एक ही चीज विविध आकृतियों में दिखाई देती है।  
kaleidoscope

**बहुमूल** वि. (तत्.) जो बहुत जड़ों वाला हो।

**बहुमूल्य** वि. (तत्.) 1. जिसका मूल्य बहुत अधिक हो या जो बहुत कीमती है जैसे- आपका उपहार बहुमूल्य था 2. जो किसी गुण, उपयोग, सहयोग आदि की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जैसे- उसकी सफलता में उनका बहुमूल्य सहयोग था।

**बहुरंग** वि. (तत्.) 1. जिसमें अनेक रंग हों, रंग-बिरंगा 2. अनेक रंगों वाला 3. जिसके मन में अनेक प्रकार के भावों तथा विचारों का आना-जाना लगा रहता हो 4. बहुरूपिया विलो. अंतरंग।

**बहुरंगी** वि. (तत्.) 1. अनेक रंगों वाला, रंग-बिरंगा 2. विविध प्रकार के रूप धारण करने वाला 3. जिसके मन में तरह-तरह के विचार आते रहते हों मनमौजी **लाक्ष.** पुं. अनेक गुणों से युक्त व्यक्ति।

**बहुर** क्रि.वि. (देश.) पुनः, फिर।

**बहुरि** क्रि.अ. (देश.) बहुरना, वापस आना, फिर, लौटना, फिर से प्राप्त होना, लौट कर आना, फिर भी, इतने पर भी, बाद में, तत्पश्चात्, पीछे, अनंतर, इसके उपरांत, अंतर।

**बहुरिया** स्त्री. (तद्.) नव वधु, नयी बहु, दुल्हन, वधू, वधूटी।

**बहुरूपिया** पुं. (तद्.) 1. बहुरूप धारण करने वाला या अनेक प्रकार के रूप धारण करने वाला व्यक्ति 2. विविध रूप धारण करके लोगों का मनोरंजन करने वाला आदमी वि. (तद्.) 1. अनेक वेष या स्वांग बनाने वाला 2. भेष बदलने में माहिर 3. रूप बदलकर अपनी जीविका चलाने में कुशल।

**बहुरैखिक** वि. (तत्.) बहुत-सी सीधी रेखाओं से बनी कोई आकृति।

**बहुल** वि. (तत्.) अनेक, बहुत, प्रचुर, अधिक, ज्यादा, गाढ़ा, काला पुं. (तत्.) 1. अग्नि 2. गाढ़ा 3. काला 4. शिव 5. आकाश 6. कृष्ण पक्ष।

**बहुलक** पुं. (तत्.) रक्षा. बड़े अणुओं वाला ऐसा कार्बनिक यौगिक जिसका प्रत्येक अणु अनेक छोटे अणुओं के योग से बना हो जैसे- स्टार्च, प्लास्टिक आदि। polymer

**बहुलता** स्त्री. (तत्.) अधिकता, बाहुल्य, ज्यादाती, फालतूपन, व्यर्थता, बहुत होने की अवस्था या भाव, अनेकता, प्रचुरता, बहुतायत।

**बहुला** स्त्री. (तद्.) 1. गाय 2. एक विशिष्ट गाय का नाम 3. एक देवी का नाम 4. पुराणानुसार एक नदी 5. कृतिका नक्षत्र 6. इलायची 7. नील का पौधा 8. एक प्रकार की समुद्री मछली।

**बहुली** स्त्री. (तद्.) इलायची, बहुला।

**बहुवचन** पुं. (तत्.) व्याकरण में वह शब्द जिससे एक से अधिक वस्तुओं के होने का बोध होता है।

**बहुवर्ण** वि. (तत्.) अनेक रंगों का, बहुरंगा, रंग बिरंगा।